राजस्थान सरकार

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उदयपुर

RSCERT Udaipur

हवामहल

बच्चों का झरोखा

01 अप्रैल 2023: शनिवार: वर्ष– 03: अंक – 51

नए साल में

आज की कविता

नए साल में चूहे ने एक नया संकल्प लिया । वह खा पीकर मोटा ताजा होकर उस बिल्ली को मार भगाएगा जो साल भर उसे परेशान करती रही है। तभी बिल्ली की भारी भरकाम म्याऊँ सुनकार उसकी सिट्टी पिट्टी गम हो गई। क्या चूहे का नए साल का संकल्प पूरा हुआ? क्या वो बिल्ली को हरा पाया? कविता सुनने और देखने के लिए चित्र पर क्लिक करें।

3+ वर्ष के बच्चों के लिए। Blue Bells

सबसे बड़ा छाता

आज की कहानी

बारिश झमाझम, घर मे टप टप, छत पर टप टप। सोनू ले आया छाता। लो अब हामिद भी आ गया। दोनों थोड़े सूखे थोड़े गीले। तभी दिखा टिल्लू पिल्ला, उसे भी ले लिया। अब छाता पड़ गया छोटा। दयाल चाचा से बड़ा छाता तो ले आए, पर एक एक करके हरमीत, शन्नो और अम्मा भी आ गए। अब क्या होगा? सुनते हैं कहानी। सुनने के लिए चित्र पर क्लिक करें।

6+ वर्ष के बच्चों के लिए। Room to Read

कागज की कहानी

आज की किताब

आज जिधर देखो उधर कागज ही कागज दिखता है। तरह तरह का कागज। लेकिन इंसान ने जब लिखना या चित्र बनाना सीखा तब उसके सामने समस्या थी। वह पत्थरों, मिट्टी और लकड़ी पर उकेरता था। फिर मिश्र देश में पहली बार पेपीरस पौधे से पट्टियाँ बनाई गईं। शिलालेख से आधुनिक कागज तक की कहानी पढ़ने के लिए चित्र पर क्लिक करें।

6+ वर्ष के बच्चों के लिए। Sharon Cosner

खिलौना सिलाई मशीन

आज की गतिविधि

सिलाई मशीन का नाम आते ही खटखट की आवाज और सुई धागा याद आता है। क्या आपने कोई ऐसी सिलाई मशीन देखी है जिसमें सुई धागा न हो? चलो हम इसे बनाना सीखते हैं। एक पुरानी रबर चप्पल का टुकड़ा, झाड़ू की दो तीन सींकें; बस इतना ही सामान चाहिए। और हाँ अगर सिलाई देखना हो तो एक ताजी हरी पत्ती ले लो। देखते हैं विधि।

6+ वर्ष के बच्चों के लिए। Arvindgupta Toys

जेंडर संवेदनशील शिक्षक

टीचर्स कॉर्नर

जेंडर असमानता समाज में जितनी दिखती है उतनी ही यह छुपी हुई भी है। शिक्षा के द्वारा जेंडर समानता का लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है बशर्ते शिक्षक की वो नजर और तैयारी हो , साथ ही शिक्षा प्रक्रिया जेंडर पूर्वाग्रहों से मुक्त हो। पढ़ते हैं इस गंभीर विषय पर मधू कुशवाहा का ये आलेख। पढ़ने के लिए चित्र पर क्लिक करें।

शिक्षकों के लिए। Pathshala

पुस्तकों से दोस्ती

हमारा पुस्तकालय

पुस्तकालय में बड़े बच्चों को किताबें पढ़ते देख और मजेदार गतिविधियाँ होते देख छोटे बच्चे भी स्वाभाविक रूप से पुस्तकालय की तरफ आकृष्ट होते हैं। यही समय होता है जब पुस्तकालय में उनका स्वागत हो और उन्हें भी जगह दी जाए। टोंक जिले के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय आलियाबाद, पालेई की योग्यता इसरानी इस बारे में अपना अनुभव बता रही हैं।

शिक्षकों के लिए। RSLLP

#सबपढ़े

#सबबढ़े

साथियों, हवामहल का 153वाँ अंक आपके हाथों में हैं। खुद जुड़िये और अपने दोस्तों को भी जोडिए। बताइएगा कि यह अंक कैसा लगा?

हवामहल के सभी अंकों को प्राप्त करने के लिये यह QR कोड स्कैन करें।

आज का अंक आपको कैसा लगा? अपने सुझावों से अवगत कराने के लिए सुझाव पेटिका के चित्र पर क्लिक करें।